प्रो. डॉ. सुनील कुमार कटियार और डॉ. अनुपमा तिवारी को देवभूमि उद्यमिता केंद्र (Centre of Excellence) के तहत 'आयुष और वेलनेस में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा किया जाएगा सम्मानित

देवभूमि उद्यमिता केंद्र (Centre of Excellence) राजकीय महाविद्यालय टनकपुर के नोडल अधिकारी प्रो. डॉ. सुनील कुमार कटियार और राजकीय महाविद्यालय टनकपुर की प्राचार्य डॉ. अनुपमा तिवारी को 'आयुष और वेलनेस में उत्कृष्टता केंद्र' स्थापित करने के लिए के लिए उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सम्मानित किया जाएगा यह सम्मान उन्हें मेगा स्टार्टअप समिट 2024 के दौरान 29 अक्टूबर, 2024 को दून विश्वविद्यालय, देहरादून में डॉ. नित्यानंद हिमालयन अनुसंधान एवं अध्ययन केंद्र में प्रदान किया **जाएगा** ।

देवभूमि उद्यमिता केंद्र (Centre of Excellence) राजकीय महाविद्यालय टनकपुर का उद्देश्य उत्तराखंड में आयुष (AYUSH)और वेलनेस के क्षेत्र में उद्यमिता को बढ़ावा देना है। इसके मुख्य कार्य **1.आयुष और वेलनेस में नवाचार और शोध को बढ़ावा देना**:देवभूमि उद्यमिता केंद्र का एक प्रमुख उद्देश्य आयुष (आयुर्वेद,योग, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी) और वेलनेस के क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहित करना है। यहकेंद्र शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, और उद्यमियों को नए उत्पादों और सेवाओं के विकास के लिए संसाधन और सहायता प्रदान करता है। **2. स्थानीय संसाधनों का उपयोग**: उत्तराखंड की जैवविविधता और प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके, आयुष आधारित उत्पादों का विकास और उत्पादन करना। इससे न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा मिलता है, बल्कि स्थानीय रोजगारके अवसर भी उत्पन्न होते हैं। **3. उद्यमियों के लिए प्रशिक्षण और परामर्श**: यह केंद्र नए उद्यमियों औरव्यवसायियों को आयुष और वेलनेस सेक्टर में अपने व्यवसाय को स्थापित करने के लिए प्रशिक्षणऔर परामर्श सेवाएं प्रदान करता है। इसके तहत व्यापारिक योजनाओं, विपणन, और वित्तीयप्रबंधन में सहायता की जाती है। **4. नए स्टार्टअप्स को सहायता**:देवभूमि उद्यमिता केंद्र स्टार्टअप्स कोशुरुआती समर्थन, फंडिंग और बुनियादी ढांचा प्रदान करता है, जिससे वे अपने विचारों को व्यावसायिक रूप में बदल सकें। यह केंद्र स्टार्टअप्स को एक मंच प्रदान करता है जहां वे निवेशकों से मिल सकें और अपना व्यवसाय बढ़ा सकें। **5. स्वास्थ्य और वेलनेस टूरिज्म का विकास**:उत्तराखंडमें स्वास्थ्य और वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देना, जो आयुर्वेद, योग, और प्राकृतिक चिकित्सा जैसेपारंपरिक उपचारों पर आधारित है। यह केंद्र पर्यटन उद्योग को भी समर्थन देता है, जिससे राज्य में स्वास्थ्य और वेलनेस पर्यटन का विकास

हो। **6. स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना:**आयुष और वेलनेस सेक्टर में स्थानीय समुदायों को रोजगार के अवसर प्रदान करना और उनके पारंपरिक ज्ञान और संसाधनों को व्यावसायिक रूप में उपयोग करना। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास और सशक्तिकरण होता है।**7. नीति निर्माण में योगदान:** राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आयुष और वेलनेस से संबंधित नीतियों के विकास में योगदान देना। केंद्र के विशेषज्ञ नीति निर्माताओं को सलाह देते हैं ताकि इन क्षेत्रों में एक मजबूत ढांचा तैयार हो सके। डॉ. कटियार को देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत 'आयुष और वेलनेस में उत्कृष्टता केंद्र (Centre of Excellence) की स्थापना में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान दिया जा रहा है। इस योजना काउद्देश्य उत्तराखंड में उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देना है, और डॉ. कटियार ने इस दिशा में महत्त्वपूर्ण कार्य किए हैं। उनके नेतृत्व में स्थापित उत्कृष्टता केंद्र ने कई उद्यमियों और नवप्रवर्तकों को अपना व्यवसाय स्थापित करने में सहयोग प्रदान किया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आयुष और वेलनेस के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राजकीय महाविद्यालय टनकपुर की टीम की सराहना की और उत्तराखंड में उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने में उनके योगदान को मान्यता दी। प्रो. डॉ. सुनील कुमार कटियार और डॉ. अनुपमा तिवारी ने इस सम्मान को प्राप्त कर संस्थान और राज्य का गौरव बढ़ाया है।

यह सम्मान राज्य में स्वास्थ्य और उद्यमिता के विकास में नए आयाम स्थापित करेगा और आयुष क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहन देगा। समिट में देश भर के उद्योग जगत के दिग्गज, युवा उद्यमी और शोधकर्ता भाग लेंगे। यह समिट उत्तराखंड में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने और युवाओं को नए अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

उच्च शिक्षा विभाग
उत्तराखण्ड सरकार
देवभूमि उद्यमिता
दो दिवसीय स्टार्टअप बूट
दिनांक : 24 जनवरी-25
भारतीय उद्यमिता विकास

उच्च शिक्षा विभाग
उत्तराखण्ड सरकार
देवभूमि उद्यमिता योजना

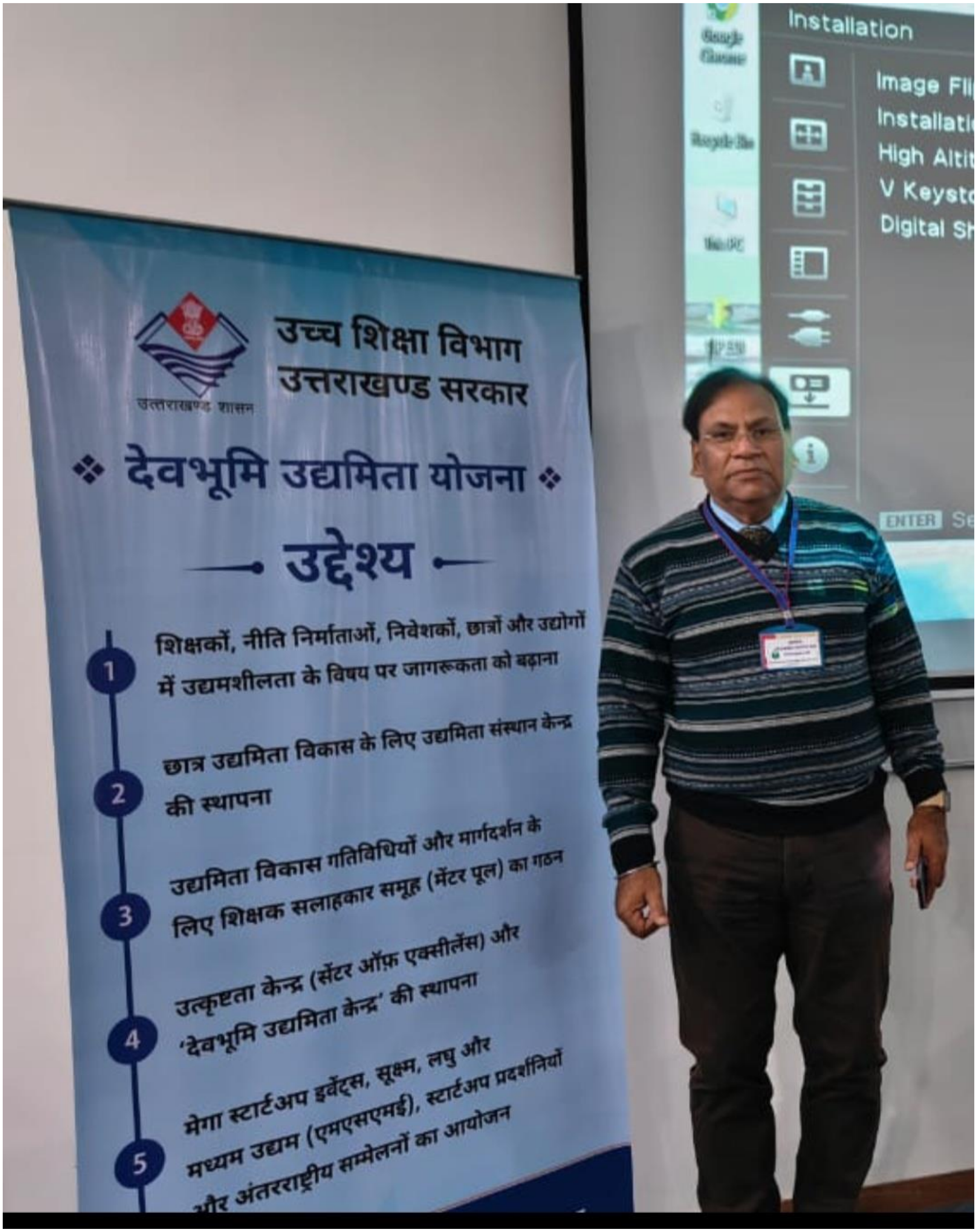
उच्च शिक्षा विभाग
उत्तराखण्ड सरकार
उत्तराखण्ड शासन
❖ देवभूमि उद्यमिता योजना ❖
उद्देश्य
1 शिक्षकों, नीति निर्माताओं, निवेशकों, छात्रों और उद्योगों में उद्यमशीलता के विषय पर जागरूकता को बढ़ाना
2 छात्र उद्यमिता विकास के लिए उद्यमिता संस्थान केन्द्र की स्थापना
3 उद्यमिता विकास गतिविधियों और मार्गदर्शन के लिए शिक्षक सलाहकार समूह (मेंटर पूल) का गठन
4 उत्कृष्टता केन्द्र (सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस) और 'देवभूमि उद्यमिता केन्द्र' की स्थापना
5 मेगा स्टार्टअप इवेंट्स, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई), स्टार्टअप प्रदर्शनियों और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन
Installation
ENTER

उच्च शिक्षा विभाग
उत्तराखण्ड सरकार
❖ देवभूमि उद्यमिता योजना ❖
लक्ष्य
५०,००० छात्रों की उद्यमिता और स्टार्ट-अप के प्रति जागरूकता
१५,००० नए उद्यमों की स्थापना
४०,००० रोजगार के नए अवसर
५०० परियोजना प्रपत्र और व्यावसायिक विचार
३५०+ शिक्षकों को उद्यमिता विकास के लिए प्रशिक्षण
१२५ देवभूमि उद्यमिता केंद्रों की स्थापना
२० उत्कृष्टता के केंद्रों की स्थापना
एनईपी 2020 का कार्यान्वयन
बौद्धिक संपदा अधिकारों को संरक्षित करना
युवाओं के प्रवासन (माइग्रेशन) में कमी
पर्यावरण के अनुकूल हरित व्यवसायों पर विशेष ध्यान
कार्यान्वयन कर्ता:
भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान
अहमदाबाद

Shot on OnePlus
By D.K GUPTA

उद्देश्य
लक्ष्य
Shot on OnePlus
2023.12.09 10:46
By D.K GUPTA